>

Title: Need to relax the provision of maximum three times appearance in the UPSC competitive examinations and to cancel compulsory paper in English.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली): अध्यक्ष महोदया, यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन की सिविल सेवा परीक्षा में लाखों लाख देश में प्रतियोगी लगे हुए हैं।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing else will go on record except what he is saying.

*(Interruptions) â€¦**

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदया, लोकमान्य तिलक थाने में उनकी गिरफ्तारी भी हुई है। महोदया, सिविल सर्विसेज यानी आईएस की जो प्रारम्भिक परीक्षा होती है, चूंकि आप जानती हैं कि उनकी कैसी पीड़ा है। वह पेट काटकर दिल्ली में रहकर आईएएस की तैयारी करते हैं। लेकिन अकस्मात आईएएस का पैटर्न बदल दिया गया है, पहले प्रारम्भिक परीक्षा में और बाद में फाइनल परीक्षा में। सन् 1979 में भी ऐसा ही हुआ था और उस समय उनको तीन साल का अतिरिक्त मौका दिया गया था। इस बार एक साल का भी मौका नहीं दिया गया है। इसीलिए त्राहि-त्राहि कर रहे हैं जो गरीब आदमी दिल्ली में पेट काट कर के पढ़ रहे हैं, कम्पीटिशन परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं। इतना ही नहीं 80 में से 9 क्वेश्चन को अनिवार्य कर दिया गया है। सदन में यह फैसला हुआ था कि अंग्रेजी अनिवार्य नहीं होगी फिर भी अंग्रेजी अनिवार्य है।

इन दोनों मामलों पर सरकार तुंत जवाब दे कि क्यों बार-बार प्रतियोगियों के साथ अन्याय होता है...(व्यवधान) और हिन्दीभाषी लोगों के साथ खास कर के विदेशी भाषा के लिए...(व्यवधान) महोदया, यह बहुत गंभीर मामला है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया :

श्री गणेश सिंह,

डॉ. राम शंकर,

श्री शैलेन्द्र कुमार,

श्री ए. सम्पत,

श्री एम.बी. राजेश,

श्री पी.के. बिजू,

श्री प्रहलाद जोशी,

श्री पी.एल, पुनिया अपने आपको डॉ. रघुवंश प्रसाद द्वारा उठाए गए मुद्दे से संबद्ध करते हैं।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Now, Shri Gurudas Dasgupta.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: No discussion on this, please.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Now, Shri Gurudas Dasgupta.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Shri Ananth Kumar.

...(*Interruptions*)